Date : 18th – 20th Jan. 2021-02-07

एस एस खन्ना महिला महाविद्यालय में CPE(College with Potential For Excellence) Phase II के अन्तर्गत IPR (Intellectual Property Right) Cell द्वारा आयोजित आनलाइन व्याख्यान श्रंखला के पहले दिन मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान की स्कूल ऑफ मेनेजमेंट स्टडीज की **ऐसोसिएट प्रोफेसर डॉ विभूति त्रिपाठी** ने **'कॉपीराइट' विषय** पर सरल और सुबोध भाषा में उदाहरणों के द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन द्वारा कॉपीराइट, प्लेगरिज्म, साइटेशन, रेफरेंस, आदि के बारे में बताया। उनके पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन का शीर्षक था– ''Copyright Infringement & Plagiarism- Types & Avoidance'' उन्होने ने कहा कि अपने आप में लिखने, सोचने की क्षमता विकसित करनी होगी। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य अकादमिक लेखन और प्रकाशन में शुचिता और गुणवत्ता के लिए शोधार्थियों में जागरूकता पैदा करना और तदसम्बन्धी जानकारी प्रदान करना था। आनलाइन व्याख्यान का **संचालन डॉ निशि सेठ** ने किया। **स्वागत डॉ मंजरी शुक्ला** ने तथा **आभार ज्ञापन डॉ मीनू अग्रवाल** ने किया। प्रश्न सत्र का संचालन डॉ ममता भटनागर ने किया।

दिनॉक 19 जनवरी को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डॉ अमित प्रभाकर और सुश्री पूजा मेनन ने पेटेंट पर प्रभावी एवं आकर्षक तरीके से विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ ममता भटनागर ने , स्वागत डॉ मंजरी शुक्ला ने तथा धन्यवाद डॉ मीनू अग्रवाल ने किया। छात्राओं की पेटेंट सम्बनधी कई जिज्ञासाओं का समाधान भी सुश्री पूजा ने किया।

तीसरे और अन्तिम दिन 20 जनवरी को भारतीय सूचना प्रोद्यौगिकी के डॉ माधवेन्द्र मिश्रा ने एथिक्स इन एकेडेमिक रिसर्च एंड राइटिंग पर व्याख्यान दिया। उन्होन अपने वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया कि संस्थानों में प्रोन्नति, नियुक्ति आदि में शोध पत्रों के प्रकाशन के सन्दर्भ में संख्या पर नहीं अपितु गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। लेखक, सम्पादक, शोध निदेशक, प्रशासक अनइथिकल प्रकाशन को रोकने में अकादमिक वातावरण सृजित करें। उन्होने यह भी कहा कि आज लेखकीय विवाद बढ रहें हैं, साइटेशन स्कोर बढाने के चक्कर में लोग स्वयं सेल्फ प्लेगरिज्म को बढावा दे रहें हैं डेटा की विश्वसनीयता कटघरे में है।

आथरशिप के झगड़े बढ़ रहें है। ऐसे में अकादमिक शोध की गुणवत्ता और शुचिता पर ध्यान देना जरूरी है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ शुभ्रा मालवीय ने स्वागत प्राचार्या प्रो लालिमा सिंह ने तथा धन्यवाद डॉ मीनू अग्रवाल ने दिया। **इस तीन दिवसीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार व्याख्यानमाला का आयोजन बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ और कॉलेज विद पोटेंशियल फार एक्सीलेंस द्वारा किया गया था।**